Title: Regarding difficulty faced by Haryana for not having its own capital and not honouring the verdict of the Hon'ble Supreme Court in respect of Satluj river dispute by the centre.

**श्री कि्शन ि्सिंह ्सांग्वान (सोनीपत) :** ्सभापति महोद्य, ्सब्से पहले मैं एक आ्ब्जेक््शन रेज कर रहा हूं कि माननीय ्सां्सद अपने-अपने क्षेत्र, अपने-अपने प्रदेश के इतने महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहे हैं लेकिन ्सत्ता पक्ष की तरफ ्से कितने लोग हाजिर हैं, उ्से आप ्स्वयं देख ्सकते हैं। इ्स्से पता चलता है कि ्सरकार इन ्सम्स्याओं के ्बारे में कितनी गं्भीर है। ्यह ब्ड़ी चिंता का वि्िय है।

जहां तक मेरा इ्श्यू है, मैं कहना चाहता हूं कि 1966 में पंजा्ब री-आर्गेनाइज्ेशन एक्ट के मुताबिक हरि्याणा, पंजा्ब, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ का ्बंट्वारा हुआ था, जि्से लग्भग 40 ्साल हो ग्ये, हॉफ ्सेंचुरी हो ग्यी लेकिन उ्स ्बंट्वारे के मुताबिक आज तक उन प्रदेशों की टेरिटरी का न तो कोई फै्सला हुआ है, न राजधानी का फै्सला हुआ है, न हाई कोर्ट का फै्सला हुआ है और न पानी के ्बंट्वारे का फै्सला हुआ है। 40 ्साल ्से ्यह मामला लटकता आ रहा है। पूरे देश में हरि्याणा अकेला ऐ्सा प्रदेश है जि्सकी अपनी कोई राजधानी नहीं है और न ही हाई कोर्ट है। हरि्याणा के ्वकीलों और आम जनता द्वारा इ्स ्बारे में अनेक ्बार ऐजीटे्शन्स हो चुके हैं। छोटे-छोटे ्से मुकदमे के लिए लोगों को चंडीगढ़ ्भागना प्ड़ता है। हमारे प्रदेश की कोई राजधानी नहीं है। मेरी आप्से प्रार्थना है कि हमारे राज्य की अलग राजधानी ्बनाई जा्ये।

हमारा हाइ कोर्ट अलग ्से ्बन्वा्या जाए, टैरीटरी का डि्स्प्यूट ्सॉल्व कि्या जाए और पानी का जहां तक मामला है, ्यह तो ्सब्से ज्यादा देश के लिए और हमारे प्रदेश के कि्सानों के लिए खेद की ्बात है। एस्वाईएल नहर का निर्माण नहीं हुआ। हजारों करो़ड़ रुप्या एस्वाईएल नहर ्बनाने पर खर्च हो चुका है। 121 कि.मी. में ्से 115 कि.मी. नहर ्बन चुकी है। कई ्वर्ा पहले ्बन चुकी है लेकिन 6 कि.मी. का टुक़ड़ा डि्स्प्यूट में डाल दि्या, झग़ड़ा कर दि्या और इ्से राजनैतिक मुद्दा ्बना दि्या ग्या है। अनेक ्समझौते हुए, मुख्यमंत्रि्यों के ्बीच में हुए, प्रधान मंत्रि्यों के ्बीच में हुए, कमी्शन ्बैठे, आर्बिट्रेटर ्बैठे और इ्स ्समझौते को लागू नहीं होने दि्या। अ्भी माननीय प्रधान मंत्री जी अमरीका की ्यात्रा के ्बारे में कह रहे थे। 1947 ्से लेकर 1991 तक नेह्रू जी, इंदिरा जी और राजी्व जी के ्बारे में ्बड़ी प्र्शंसा कर दी। उ्सके ्बाद तो जै्से देश में कोई पैदा ही नहीं हुआ, जै्से देश में कि्सी और का कोई ्योगदान ही नहीं हुआ हो। मैं ्सरकार ्से पूछना चाहता हूं कि राजी्व-लौंगो्वाल जो ्समझौता हुआ था, ्सरकार उ्से लागू क्यों नहीं कर रही है ? श्रीमती इंदिरा गांधी जी ने नहर के निर्माण कार्य की नींव रखी थी।

MR. CHAIRMAN : You please sit down.

**श्री कि्शन ि्सिंह ्सांग्वान :** ्यह ्बहुत महत्वपूर्ण मामला है। मैं आपके माध्यम ्से ्सरकार ्से जानना चाहता हूं कि उ्स नहर का क्या हुआ ? ्वोट लेने के लिए, प्रचार करने के लिए नींव रख देते हैं। उ्से इम्पलीमेंट क्यों नहीं करते ? ्सारा पानी का झग़ड़ा हल हो चुका है। ्सुप्रीम कोर्ट ने हरि्याणा के पानी का फै्सला दे दि्या लेकिन आज तक ्वह लागू नहीं हुआ। आज तो पंजा्ब, हरि्याणा और केन्द्र में ्भी कांग्रे्स की ्सरकार है। फिर इ्से क्यों नहीं लागू कि्या जाता ? हजारों लाखों टन गेहूं की फ्सल का नुक्सान हो रहा है, लाखों कि्सान ्बेरोजगार हो ग्ये। एस्वाईएल के पानी की ्वजह ्से 25 प्रति्शत उत्पादन का नुक्सान हो रहा है। कि्सान ्भूखा मर रहा है और ्वह चिल्ला रहा है। 40 ्वर्ा ्से हम रो रहे हैं लेकिन हमारी कोई ्सुन्वाई नहीं हो रही है। इ्सलिए मैं आपके माध्यम ्से नि्वेदन करना चाहता हूं कि इ्समें केन्द्र इंटरफिअर करें। ्यह तीन प्रदेशों का मामला है। राज्स्थान के पानी का ्भी इ्समें मामला है। इ्स मामले में इंटरफिअर करें और जो-जो ्समझौते हुए हैं, उनको लागू कि्या जाए। जो पेंडिंग डि्स्प्यूट हैं, उनको ्सॉल्व कि्या जाए ्वर्ना क्ब तक हम ्बिना राजधानी के रहेंगे, क्बतक हम हाइ कोर्ट के ्बगैर रहेंगे ? इ्सीलिए मेरा आपके माध्यम ्से नि्वेदन है कि इ्स ्बात को गं्भीरता ्से लि्या जाए त्भी जाकर इ्सका ्समाधान होगा। इतनी ्बात कहकर मैं अपनी ्बात ्समाप्त करता हूं।

MR. CHAIRMAN: This is a matter you could have raised earlier. It is not an urgent matter.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I agree that it is an important issue but it should be raised not in this form.

...(*Interruptions*)

**श्री कि्शन ि्सिंह ्सांग्वान :** नुक्सान हमारे कि्सान उठा रहे हैं। ्सर, दू्सरी फॉर्म में ्भी कह दि्या था और ्सब फॉर्म में कह दि्या।â€¦(व्यवधान)